| S. No. | Name of the road | Length (in Kms.) |
|---|---|---|
| 6. | Krishnagiri to Sironcha (via) Vepanapalli-Kuppam-Venkatagiri-Kota-Gudiyattam-Chitoor-Pileru-Rayachoti-Cuddapah-Maidukur-Tokapalle-Erragondapalem-Srigiripadu-Macherla-Dachepalle-Wazfrabad-Miryalguda-Khammam-Warangal-Parkal-Mahadevpur-Sironcha. | 970 |
| 7. | Ongole to Raichur (via) Podili-Bestavaripeta-Racherla-Giddalur-Nandyal-kurnool-Alampur-Uppal-Yergara-Raichur. | 340 |
| 8. | Tumkur-Madakasira-Hyderabad-Nagaram-Venkatapuram (Tumkur-Madhugiri-Madakasira-Penugonda-Puttapatu-Dharmavaram-Tadipatri-Bangarapalli-Nandyal-Nandikotkur-Atmakur-Rollapenta-Srisailam-Achampet-Kalwakurthy-Amangal-Tukkuguda-Hyderabad-Warangal-Mulug-Nagaram and Venkatapuram) | 830 |
| 9. | Red Hill in Tamil Nadu to Bellary in Karnataka (via) Puttor-Rengigunta-Tirupati-Pileru-Voyalapadu-Madanpalli-Kadiri-Anantapur-Uravakonda) | 450 |
| | Total : | 4,812 |

**उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की शोचनीय स्थिति**

1198. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति अत्यन्त शोचनीय है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) इस स्थिति को सुधारने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं?

**जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर):** (क) से (ग) उत्तर प्रदेश से गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को, राष्ट्रीय राजमार्ग प्रणाली के लिए उपलब्ध निधियों के अंतर्गत, सामान्यतः यातायात योग्य स्थिति में रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, आवश्यकताओं तथा निधियों की सकल उपलब्धता के अध्यधीन, राष्ट्रीय राजमार्गों के सुधार/विकास के लिए परियोजनाएं भी विकास योजनाओं के तहत संस्वीकृत की जाती हैं।

**उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों का चौड़ा किया जाना**

1199. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने और पैदल पथों के निर्माण कार्य को स्वीकृति दे दी गई है;

(ख) यदि हां, तो ये राष्ट्रीय राजमार्ग किन-किन स्थानों पर होंगे; और

(ग) यह कार्य कब तक पूरा किये जाने की संभावना है?

**जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर):** (क) से (ग) राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने के कार्य सहित उनका विकास करना एक सतत प्रक्रिया है और एतद्संबंधी निर्माण कार्यों को मंजूरी, यातायात की सघनता, अखिल भारतीय आधार पर परस्पर प्राथमिकता तथा संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ-साथ सामान्यतः पैदल पथों (ऊपर उठे हुए पैदल पथ) की व्यवस्था नहीं की जाती है। शहरी और अन्य विकसित क्षेत्रों में पैदल पथों का उत्तरदायित्व स्थानीय निकायों का है और उन्हीं द्वारा इनकी व्यवस्था की जाती है।

इस समय राष्ट्रीय राजमार्ग 7 के मिर्जापुर-मध्य प्रदेश सीमा खंड को चौड़ा करके एक लेन से दो लेन का बनाने और राष्ट्रीय राजमार्ग 2 के हरिणाणा/उत्तर प्रदेश सीमा से मथुरा तक के खंड को चौड़ा करके 4 लेन का बनाने संबंधी कार्य प्रगति पर है। इन कार्यों को क्रमशः जून, 1993 और जून, 1995 में पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।